कोर सेक्टर की रफ्तार फिर हुई सुस्त

कोयला, गैस, कच्चा तेल और उर्वरक उत्पादन घटा, अप्रैल-अगस्त में वृद्धि 4.3% दर्ज हुई

नवभारत न्यूज नेटवर्क.

नयी दिल्ली, 22 सितंबर अगस्त में कोयला, गैस, कच्चा तेल और फर्टिलाइजर के उत्पादन में कमी के कारण भारत के कोर सेक्टर का आउटपुट घटकर 4.8% रह गया. सरकार द्वारा सोमवार को जारी शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, भारत के कोर सेक्टर के आउटपुट में सालाना बढ़ोतरी जुलाई के 5.0% से घटकर अगस्त में 4.8% रह गई.

शुरुआती अनुमान के आधार पर, आठ कोर इंडस्ट्रीज ने जुलाई में 5.4% की बढ़ोतरी दर्ज की थी. सरकार ने बताया कि जुलाई के फाइनल इंडेक्स में बढ़ोतरी की

दर को घटाकर 5.0% कर दिया गया. 5 में से 5 कोर इंडस्ट्रीज ने अगस्त में सालाना आधार पर पॉजिटिव बढ़ोतरी दर्ज की. सीमेंट का 4.8% गिरा प्रोडक्शन अगस्त में कुल बढ़ोतरी शुरुआती आधार पर 4.3 प्रतिशत रही

सरकार के अनुसार, हाल के महीनों में कोर इंडस्ट्रीज इंडेक्स में कुल बढ़ोतरी के मुख्य कारक लौह अयस्क, बिजली और सीमेंट रहे हैं. अप्रैल-अगस्त के दौरान कोर सेक्टर की कुल बढ़ोतरी शुरुआती आधार पर 4.3% रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 2.4% थी.

जुलाई के लिए फाइनल इंडेक्स को शुरुआती अनुमान 121.2 से बदलकर 120.8 कर दिया गया, नतीजतन, जुलाई के लिए सालाना बढ़ोतरी की दर को 5.4% से बदलकर 5.0% कर दिया गया. रिफाइनरी प्रोडक्ट्स 2.6% बढ़े. इस महीने के दौरान कोयला, प्राकृतिक गैस, कच्चा अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है असर बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि में कमी का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है. यह औद्योगिक उत्पादन सूचकांक को भी प्रभावित कर सकता है. ऊर्जा और कृषि से जुड़े इन क्षेत्रों का कमजोर प्रदर्शन चिंता का विषय है.

एयर इंडिया ने मनोरंजन के लिए तैयार किया नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

नयी दिल्ली, 22 सितंबर टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने उड़ान के दौरान मनोरंजन के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया है जिसकी उसने मंगलवार को पहली झलक दिखाई. इस प्लेटफॉर्म को 'विस्टा डिजिटल प्लेटफॉर्म' नाम दिया गया है. इसे एयरलाइंस की खुद की डिजाइन और सॉफ्टवेयर टीमों ने तैयार किया है. इस प्लेटफॉर्म में कई नवाचार किए गए हैं जिनके पेटेंट के लिए आवेदन किए गए हैं. इसे कुछ नये विमानों में जोड़ा जाएगा. धीरे-धीरे इसका विस्तार किया जाएगा. एयरलाइंस में कहा कि विस्टा डिजिटल प्लेटफॉर्म' को यात्रियों को ज्यादा पर्सनलाइज्ड कनेक्टेड अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है.

टाटा विवाद में लिस्टिंग बनी असली वजह

- **हरीश साल्वे बोले- चेयरमैन पद नहीं, सूचीबद्धता पर टकराव**

नवभारत न्यूज नेटवर्क.

नयी दिल्ली, 22 सितंबर टाटा ग्रुप में चल रहा झगड़ा अब खुलकर सामने आ चुका है. टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के वकीलों की तरफ से बयान जारी कर अपना-अपना पक्ष रखा गया. बातचीत में चंद्रशेखरन को कानूनी सलाह दे रहे सीनियर वकील हरीश साल्वे ने कहा कि असली लड़ाई चेयरमैन के पोस्ट की नहीं है बल्कि लिस्टिंग का मामला है.

टाटा ट्रस्ट्स, टाटा संस की लिस्टिंग नहीं चाहता है लेकिन अब मामला असली मुद्दे से हटकर दूसरी तरफ चला गया है. साल्वे ने उस चिट्ठी का जिक्र किया जो वेणु श्रीनिवासन को भेजी गई थी. टाटा ट्रस्ट्स की तरफ से दोराबजी ट्रस्ट्स के वाइस चेयरपर्सन और टाटा संस के डायरेक्टर वेणु श्रीनिवासन की तरफ भेजे गए पत्र में कहा गया था कि आप (श्रीनिवासन) इस लिस्टिंग के पक्ष में हैं, जबकि टाटा ट्रस्ट दिया गया अपर लेयर एनबीएफसी का दर्जा एन चंद्रशेखरन ने पिछले महीने टाटा संस के फिर से चेयरमैन न बनाए जाने का अनुरोध किया था जिसे टाटा ट्रस्ट्स ने मान लिया था. उनके उत्तराधिकारी की खोज के लिए एक कमेटी भी बना दी गई है. इस बीच आरबीआई का फैसला आया जिसमें सेंट्रल बैंक ने टाटा के एनबीएफसी रद्द करने का आग्रह ठुकरा दिया था. इसके बाद टाटा संस की बोर्ड मीटिंग में एन चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने पर सहमति बन गई.

लिस्टिंग कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए जरूरी अपनी बातचीत में साल्वे ने कहा कि अगर आरबीआई के फैसले और चैरिटी कमिश्नर के फैसले से सहमत नहीं टाटा है तो उसे कोर्ट जाना चाहिए. वहां स्थिति स्पष्ट हो जाएगी. साल्वे ने कहा कि टाटा संस की लिस्टिंग कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए जरूरी है. यह कंपनी 270 अरब डॉलर का कोराबार कर रही है. बता दें, टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की कुल हिस्सेदारी 66 प्रतिशत की है. इसके बाद सबसे बड़ा हिस्सा शापूरजी पालोनजी ग्रुप का है.

जीएसटी 2.0 ने ऑटो रिटेल की रफ्तार चार गुना बढ़ाई

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 22 सितंबर. फाडा यानी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के अध्यक्ष साई गिरिधर ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद भारतीय ऑटो रिटेल क्षेत्र की वृद्धि दर चार गुना तक बढ़ गई है और वाहन खरीदने की बढ़ी हुई क्षमता (अफोर्डेबिलिटी) मांग को आगे बढ़ाने वाला सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है.

जीएसटी 2.0 की पहली वर्षगांठ पर उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच 11 महीनों में देश में 3 करोड़ से अधिक वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो सालाना आधार पर लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है. इसके मुकाबले एक वर्ष पहले समान अवधि में वृद्धि दर 5 प्रतिशत से भी कम थी. गिरिधर ने कहा कि जीएसटी 2.0 ने छोटे कारों, कम्प्यूटर दोपहिया वाहनों, ट्रैक्टरों और वाणिज्यिक वाहनों जैसे भारत के बड़े उपभोक्ता वर्ग द्वारा खरीदे जाने वाले वाहनों की ऑन-रोड लागत को स्थायी रूप से कम किया. इससे केवल मांग पहले से आगे नहीं आई, बल्कि बाजार का वास्तविक विस्तार हुआ है.

पेंशन के साथ मिलेगा स्वास्थ्य बीमा

नवभारत न्यूज नेटवर्क.

नयी दिल्ली, 22 सितंबर. बुढ़ापे को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम हमेशा से नौकरीपेशा लोगों की पहली पसंद रहा है लेकिन अब यह योजना सिर्फ रिटायरमेंट के बाद पेंशन देने तक ही सीमित नहीं रहने वाली है. जल्द ही एनपीएस निवेशकों को एक बड़ी सौगात मिल सकती है जिससे उनका बुढ़ापा न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि स्वास्थ्य के नजरिए से भी सुरक्षित हो जाएगा. पेंशन फंड नियामक एनपीएस को एनपीएस पेंशन और अधिक आकर्षक बनाने के लिए इसमें बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रहा है. इसके तहत एनपीएस सब्सक्राइबर्स को रिटायरमेंट के बाद पेंशन के साथ-साथ हेल्थ इंश्योरेंस का कवर भी देने का विचार किया जा रहा है.

अंतरराष्ट्रीय पंजाबी साहित्य मंच, दिल्ली ने की साहित्यिक बैठक

नवभारत कनेक्ट

नई दिल्ली 22 सितंबर अंतरराष्ट्रीय पंजाबी साहित्य मंच, दिल्ली द्वारा सूरजित भवन, आईटीओ, नई दिल्ली में एक साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इन दिनों अंतरराष्ट्रीय पंजाबी साहित्य मंच, दिल्ली खासकर साहित्यिक जगत में पंजाबी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना कीमती योगदान दे रहा है. इसके तहत मंच द्वारा समय-समय पर ऐसे साहित्यिक कार्यक्रम और सभाएं आयोजित की जाती हैं.

इस साहित्यिक बैठक में प्रो. मनजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय बतौर मुख्य मेहमान शामिल हुए. इसके साथ ही साहित्यिक बैठक की अध्यक्षता प्रो. जसपाल कौर, पूर्व अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने की.

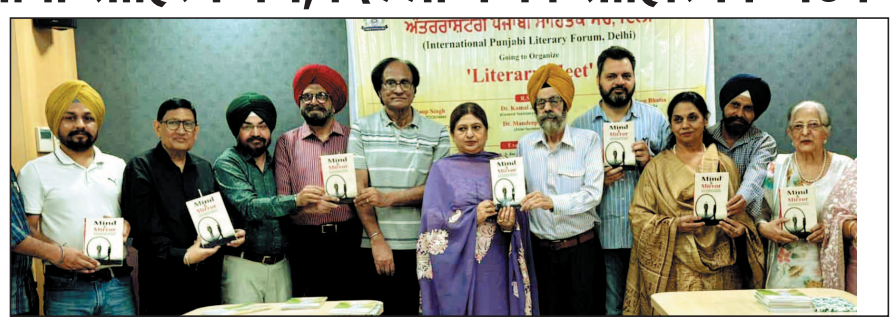

बैठक में श्रीमती कुलवंत कौर नारंग ने अपनी कहानी की प्रस्तुति की. इस मौके पर श्री जसवंत सिंह शेखवां ने अपनी गजलों और कविताओं के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. हिंदी भाषा से जुड़ी कवयित्री डॉ. नीलम अरोड़ा ने भी अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं.

कार्यक्रम के दौरान जसवंत सिंह शेखवां द्वारा रचित पुस्तक 'पैडा समय दीयां' एवं राजेंद्र बियाला द्वारा रचित पुस्तक 'माइंड एंड मिरर', जो अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित हुई है, का भी विमोचन किया गया. इस मौके पर प्रो. मनजीत सिंह ने दोनों पुस्तकों पर अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि ये अपने आप में बहुत ही महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं.

साहित्यिक बैठक का मंच संचालन डॉ. कमल जीत सिंह ने किया. उन्होंने कहा कि यह मंच जहां पंजाबी साहित्य को पाठकों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है, वहीं दूसरी भाषाओं के साथ संवाद रचने का काम भी कर रहा है. इसके चलते हर बैठक में दूसरी भाषा के किसी एक लेखक को अपनी रचना प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. इस अवसर पर राजेंद्र बियाला ने भी अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं. पंजाब सरकार के लोक जनसंपर्क विभाग के बड़े अधिकारी जगदीप सिंह गिल भी कार्यक्रम में शामिल हुए. उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा ही ऐसी साहित्यिक बैठकों का इंतजार रहता है.

शुरुआती तेजी के बाद 330 अंक लुढ़का सेंसेक्स

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 22 सितंबर घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती तेजी खोते हुए प्रमुख सूचकांक गिरावट में बंद हुए और बीएसई का सेंसेक्स 330 अंक रहा. सेंसेक्स 42 अंक ऊपर 74,901.50 अंक पर खुला और ऊपर 75,038.93 अंक तक गया.

हालांकि पहले घंटे के कारोबार के बाद बिकवाली शुरू हो गयी. अंत में यह 329.91 अंक (0.44 प्रतिशत) गिरकर 74,529.08 अंक पर रहा. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 85.30 अंक यानी 0.36 प्रतिशत फिसलकर 23,329 अंक पर बंद हुआ. पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक ऊपर रहे थे. वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही.

एलजी ने पेश की सेमी-ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीनों की नई रेंज

नवभारत कनेक्ट

नई दिल्ली, 22 सितंबर एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को सेमी-ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीनों की नई रेंज पेश की. नई श्रृंखला में बेहतर धुलाई, स्मार्ट सुविधाओं, मजबूत बनावट और प्रीमियम डिजाइन पर जोर दिया गया है. कंपनी ने 8 से 12 किलोग्राम क्षमता वाली कुल 15 मशीनें पेश की हैं. इन मशीनों का निर्यात 2027 से शुरू करने की योजना है और इन्हें दुनिया के 10 से अधिक देशों में भेजने का लक्ष्य रखा गया है.

कंपनी के अनुसार, नई रेंज में रोजमर्रा की धुलाई से जुड़ी समस्याओं जैसे कपड़ों

में डिटर्जेंट के अवशेष, रोएं, जिद्दी दाग, कपड़ों के देर से सूखने और ढक्कन के टूटने जैसी दिक्कतों को ध्यान में रखा गया है. मशीनों में ड्यूल स्पिन शॉवर, रोलर जेट पल्सेटर+, अल्ट्रा स्क्रब वॉल, विंड जेट ड्राई+ और नया स्मार्ट फिल्टर जैसी सुविधाएं दी गई हैं. ड्यूल स्पिन शॉवर में पानी के दो शक्तिशाली प्रवेश मार्ग हैं, जो कपड़ों से डिटर्जेंट के अवशेष को अधिक प्रभावी तरीके से हटाने में मदद करते हैं. वहीं, व्हेल की पूंछ से प्रेरित रोलर जेट पल्सेटर+ पानी में तेज हलचल पैदा करता है, जिससे कपड़ों की बेहतर आवाजाही के साथ जिद्दी गंदगी हटाने में मदद मिलती है. अल्ट्रा स्क्रब वॉल कॉलर, कफ और अधिक गंदे हिस्सों की सफाई के लिए तैयार की गई है. नया स्मार्ट फिल्टर धुलाई के दौरान कपड़ों से निकलने वाले रोएं को प्रभावी ढंग से एकत्र करता है इसे निकालकर साफ करना आसान है. विंड जेट ड्राई+ तेज हवा के प्रवाह की मदद से कपड़ों में मौजूद नमी को कम करता है, जिससे वे जल्दी सूखने में मदद मिलती है. मशीनों में 3+1 धुलाई कार्यक्रम भी दिए गए हैं. साथ ही रैट अवे तकनीक सुरक्षा और टिकाऊपन बढ़ाने में मदद करती है.

भारत का सेवा निर्यात पहुंचा 317 अरब डॉलर

- **भारत की वृद्धि चीन-अमेरिका से भी ज्यादा**
- **एआई, क्लाउड और साइबर सुरक्षा पर जोर**

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली, 22 सितम्बर भारत का वैश्विक निर्यात 317 अरब डॉलर, 15 फीसदी का उछाल डिजिटल सेवा बाजार में देश की धाक से प्रदान की जाने वाली सेवाओं के निर्यात में चीन, अमेरिका, भारत ने डिजिटल रूप के मुकाबले ज्यादा ग्रोथ दर्ज कराई है.

जबकि पारंपरिक आईटी-सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे बढ़कर कंसल्टिंग,

इंजीनियरिंग, वित्तीय, पेंशन, बीमा व मनोरंजन और तकनीकी व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात में भी अपनी भूमिका बढ़ा रहा है. नीति आयोग ने कहा है कि भारत को एआई आधारित सेवाओं, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, इंजीनियरिंग और अनुसंधान व विकास जैसे उच्च मूल्य वाले डिजिटल क्षेत्रों में बढ़ाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए. वैश्विक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर की बढ़ती मौजूदगी व भारतीय कंपनियों की ओर से इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, कंसल्टिंग, क्लाउड और तकनीक सक्षम पेशेवर सेवाओं का विस्तार डिजिटल निर्यात के लिए व्यापक आधार तैयार कर रहा है. साथ ही, छोटी कंपनियों और नए सेवा प्रदाताओं के लिए बाजार पहुंच बेहतर करने की आवश्यकता होगी. जर्मनी का पछाड़ा भारत का सेवा निर्यात 15 % वृद्धि के साथ 2024 के: के 277 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 317 अरब डॉलर हो गया. जबकि ब्रिटेन में 11% चीन और अमेरिका में 10%-10% व जर्मनी में 9% वृद्धि हुई. इस तरह भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ कर निर्यात में चौथे स्थान पर पहुंच गया.

समाचार विशेष

देश का पहला एजेंटिक एआई कैंपस शुरू

छात्रों को मिलेगा एआई का व्यावहारिक अनुभव

नवभारत कनेक्ट

नई दिल्ली, 22 सितंबर। केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने एचसीएल एआई लैब्स के साथ साझेदारी करते हुए 'देश का पहला एजेंटिक एआई कैंपस- एचसीएल एआई लैब्स द्वारा संचालित, एआई-पावर्ड डिग्रीज़ के साथ' की शुरुआत की है. इस साझेदारी को औपचारिक रूप देने के लिए 21 सितंबर 2026 को यूनिवर्सिटी के वड्डेस्वरम परिसर में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. इस अवसर पर एचसीएल समूह की ओर से एआई लैब के राष्ट्रीय प्रमुख एवं एवीपी दीपक सरवनन, क्षेत्रीय प्रमुख संदीप और संचालन प्रमुख सुमिता मौजूद रहीं. यूनिवर्सिटी की ओर से कुलपति डॉ. जी. पार्थ सारथी वर्मा, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे. कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ एजेंटिक एआई कैंपस पहल की औपचारिक शुरुआत की गई. इस दौरान छात्रों के साथ संवाद और शिक्षा तथा उद्योग के बीच सहयोग को लेकर चर्चा हुई.

डिग्री और पाठ्यक्रम में शामिल होगा एआई

इस पहल के तहत विभिन्न विषयों के छात्रों को अगली पीढ़ी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एजेंटिक एआई प्रणालियों को समझने, विकसित करने और लागू करने के लिए तैयार किया जाएगा. एआई को चरणबद्ध तरीके से डिग्री कार्यक्रमों, पाठ्यक्रम, प्रयोगशालाओं, परियोजनाओं और अध्ययन गतिविधियों में शामिल किया जाएगा. छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, जनरेटिव एआई, लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स और अन्य उभरती तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा. इसका उद्देश्य छात्रों को केवल एआई टूल्स के उपयोगकर्ता तक सीमित न रखते हुए ऑटोनॉमस और सेमी-ऑटोनॉमस एआई एजेंट विकसित करने में सक्षम बनाना है.

योगी के गढ़ पर सपा की नजर

चुनाव से पहले गोरखपुर बन गया हॉट शहर

गोरखपुर. गोरखपुर में हाल ही में सियासत के दो अलग-अलग रंग दिखाई दिए. भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े दो दिवसीय प्रवास पर रहे तो समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल भी दो दिन के दौरे पर पहुंचे. दोनों दलों के कार्यक्रमों में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद पर जोर है.

सवाल यह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बड़े नेताओं के कार्यक्रमों के लिए गोरखपुर ही इतना महत्वपूर्ण क्यों बन रहा है? इसकी वजह केवल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृहक्षेत्र होना नहीं है. गोरखपुर पूर्वांचल की राजनीति का ऐसा केंद्र है, जहां लोकसभा से लेकर विधानसभा तक का राजनीतिक प्रभाव आसपास के क्षेत्रों तक दिखाई देता है.

नौ विधानसभा सीटें, दो लोकसभा क्षेत्र

गोरखपुर जिले में नौ विधानसभा क्षेत्र कैंपियरगंज,

पिपराइच, गोरखपुर शहर, गोरखपुर ग्रामीण, सहजनवां, खजनी, चौरीचौरा, बांसगांव और चिल्लूपार हैं. जिले में गोरखपुर और बांसगांव के रूप में दो लोकसभा क्षेत्र भी हैं. जिला प्रशासन के अनुसार वर्तमान में इन सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भाजपा के हैं और दोनों लोकसभा सीटों पर भी भाजपा के सांसद हैं. यही वजह है कि गोरखपुर में संगठन की गतिविधि को केवल शहर तक सीमित करके नहीं देखा जाता.

यहां होने वाली बैठकों में आसपास के जिलों और पूरे गोरक्ष क्षेत्र के संगठनात्मक समीकरण भी चर्चा का हिस्सा बनते हैं.

विशेष आमतौर पर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जाति का गणित ज्यादा देखा जाता

जाटों ने दिखाई राजनीति की कला

नई दिल्ली. दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ यानी डूसू के चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर जाट जीते हैं. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के यश डबास अध्यक्ष तो निर्दलीय दीपांशु शौकीन उपाध्यक्ष बने हैं. आमतौर पर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जाति का गणित ज्यादा देखा जाता है. लेकिन दिल्ली छात्र संघ के चुनाव में जाति और क्षेत्र का गणित किस तरह से काम करता है इसका उदाहरण है इस बार का चुनाव.

दीपांशु शौकीन इसलिए अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़े क्योंकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने यश डबास

को उम्मीदवार बना दिया. दोनों एक जाति और एक गोत्र के हैं. दीपांशु नहीं लड़े तो जाट वोट एबीवीपी के पक्ष में एकजुट हुआ और फिर उपाध्यक्ष के लिए वह पूरा वोट दीपांशु के पक्ष में शिफ्ट हो गया.

यह पूरी राजनीति इतने कोऑर्डिनेटेड तरीके से हुई, जिसकी मिसाल बड़े चुनावों में नहीं मिलेगी. दोनों सीटों पर जाट जीतें, यह सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के सबसे बड़े जाट नेता यानी भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा ने चुनाव से दूरी रखी. दीपेंद्र आमतौर पर डूसू के चुनाव में प्रचार के लिए जाते हैं. लेकिन इस बार नहीं गए.

कहा जा रहा है कि उनके हिसाब से टिकट नहीं दी गई. लेकिन असल कारण अध्यक्ष पर जाट बनाम आदिवासी का मुकाबला होना है. जाट के मुकाबले आदिवासी को जिताने की अपील करने दीपेंद्र हुड्डा नहीं जा सकते थे.

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
IDFC FIRST Bank

(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)

(CIN-L65110TN2014PLC097792)

रजिस्टर्ड ऑफिस: केआरएम टॉवर्स, 8वां तल, हेरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031

फोन: +91 44 4564 4000, फैक्स: +91 44 4564 4022

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

निम्नलिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण प्राप्त किए हैं. नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं के ऋण उनकी संबंधित संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित किए गए हैं. चूंकि वे संबंधित ऋण समझौतों की शर्तों का पालन करने में विफल रहे हैं और अनियमित हो गए हैं, इसलिए उनके ऋण को आरबीआई दिशा-निर्देशों के अनुसार एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे ब्याज भी लागू होगा और उसी पर संबंधित तिथियों से अनुबंध दर के अनुसार शुल्क लिया जाएगा.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेक्शन 13(2) नोटिस तिथि	सेक्शन 13(2) नोटिस अनुसार बकाया राशि
1.	55230590 और 111767234	गृह ऋण	09-सितंबर-2026	रु.5,21,946.02/-

देनदार और सह-देनदारों का नाम:- 1. राजेंद्र सिंह 2. जय कुंवर

संपत्ति का पता: मकान नंबर 22 का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल, कुल क्षेत्रफल 560 वर्ग फुट (14 × 40), भूमि सर्वेक्षण संख्या 519, पीएच नंबर 20 पर स्थित, ग्राम: डेलची खुर्द, तहसील: महिदपुर, जिला: उज्जैन, मध्य प्रदेश-456440, और इसकी सीमाएं: पूर्व: रोड, पश्चिम: श्योर सिंह, उत्तर: बेनेसिंह, दक्षिण: रोड.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेक्शन 13(2) नोटिस तिथि	सेक्शन 13(2) नोटिस अनुसार बकाया राशि
2.	91930106 और 157843418	गृह ऋण	12-सितंबर-2026	रु.8,28,410.26/-

देनदार और सह-देनदारों का नाम:- 1. लखन राठौर 2. अनीता बाई

संपत्ति का पता: मकान नंबर 615 का पूरा टुकड़ा और पार्सल, कुल असली एरिया 600 वर्गफीट या 55.66 वर्गमीटर, ग्राम: डेलची बुजुर्ग, पीएच नं. 16, लैंड सर्वे नंबर 615/2, तहसील: महिदपुर, जिला: उज्जैन, मध्य प्रदेश-456440, और इसकी सीमाएं: पूरब: सरकारी जमीन, पश्चिम: नारायणखेड़ी मार्ग, उत्तर: रामलाल पुत्र दयाराम का मकान, दक्षिण: रेखा बाई पत्नी कैलाश.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेक्शन 13(2) नोटिस तिथि	सेक्शन 13(2) नोटिस अनुसार बकाया राशि
3.	120979289	संपत्ति के विरुद्ध ऋण	12-सितंबर-2026	रु.5,21,099.82/-

देनदार और सह-देनदारों का नाम:- 1. पवन गुर्जर 2. अनीता गुर्जर 3. कारी बाई गुर्जर

संपत्ति का पता: प्रॉपर्टी का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल मकान नंबर 25, कुल एरिया 1325 वर्गफीट, आबादी सर्वे नंबर 789, वार्ड नंबर 92, पीएच नं. 57 (गाइडलाइन पीएच नं. 36 के अनुसार), गांव: भूखी, तहसील और जिला: मंदसौर, मध्य प्रदेश-458002, और इसकी सीमाएं: पूरब: सड़क, पश्चिम: सेल्फ ओपन लैंड, उत्तर: कचरूलाल का घर, दक्षिण: गोपाल गुर्जर का घर.

आपको उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए विवरण के अनुसार आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित तिथियों से अनुबंधित ब्याज दर तथा अन्य लागत, प्रभार आदि के साथ इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा नीचे हस्ताक्षरकर्ता को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के विरुद्ध एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (4) तथा धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही आरंभ करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है). इसके अलावा, आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत बिक्री / पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है.

एसडी/-
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)

दिनांक: 23.9.2026
स्थान: मध्यप्रदेश